



राष्ट्रीय सराफा

सोना	चांदी
● दिल्ली 24K : 99150	चांदी तैयार : 99000
● कोलकाता 24K : 99000	चांदी तैयार : 99000
● गुजरात 24K : 99000	चांदी तैयार : 99000
● चेन्नई 24K : 99000	चांदी तैयार : 1,11,000

विदेशी मुद्रा बनाम रुपया

करंसी	खरीद	बिक्री
अमरीकी डालर	82.95	86.75
पौंड स्टर्लिंग	110.99	115.71

शेयर सूचकांक

BSE 80746.78	+105.71
NSE 24414.40	+34.80

मौसम	Min	Max
	24°C	34°C

IPL 2025
आज का मैच

पंजाब किंग्स **Vs** **दिल्ली कैपिटल्स**

धर्मशाला, 7:30 बजे से

दिल्ली में ब्लैकआउट

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : नई दिल्ली में बुधवार रात 8 से 8:15 बजे तक लुटियंस जॉन में एनडीएमसी द्वारा ब्लैकआउट किया गया। यह कस्म देशव्यापी सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल 'ऑपरेशन अभ्यास' के तहत उठाया गया। न्यू दिल्ली म्युनिसिपल कार्पोरेशन (एनडीएमसी) के अनुसार, इस ब्लैकआउट में अस्पताल, पीएमओ, राष्ट्रपति भवन, मेट्रो स्टेशन और अन्य जरूरी प्रतिष्ठानों को शामिल नहीं किया गया।
(सम्पूर्ण कवरेज पृष्ठ-5 पर)

सेना ने 9 आतंकी ठिकाने तबाह किए

25 मिनट का ऑपरेशन सिंदूर, 7 मिनट लगे मिसाइल स्ट्राइक में



भारत ने अपने अधिकार का इस्तेमाल किया

पंजाब केसरी/नई दिल्ली

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक के करीब 9 घंटे बाद सरकार, सेना और एयरफोर्स के अफसरों ने घटना की जानकारी दी। बुधवार सुबह 10:30 बजे मीडिया ब्रीफिंग से पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें बताया गया कि मंगलवार रात 1:04 बजे से 1:11 बजे के बीच 7 मिनट में 9 टारगेट तबाह किए गए। हालांकि ऑपरेशन पूरा होने में कुल 25 मिनट का समय लगा। देश के इतिहास में पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस में आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी मौजूद थे। पहलगांम हमले को लेकर आक्रोश की स्थिति को स्वाभाविक बताते हुए विदेश सचिव ने कहा, "भारत ने आज सुबह आतंकी ढांचे को तबाह करने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया।" सरकार ने बुधवार को ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम देकर भारत ने पहलगांम जैसे सीमापार हमलों पर जवाब देने, उन्हें रोकने और ध्ता



'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान स्थित जिन आतंकी ठिकानों पर हमला किया उनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं। मिसरी ने कहा कि ये कार्रवाई नपी-तुली, टकराव को नहीं बढ़ाने वाली और जिम्मेदाराना थी। पहलगांम हमले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रेस वक्तव्य का जिक्र करते हुए मिसरी ने कहा कि इसमें "आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के दायरे में लाने की आवश्यकता" को रेखांकित किया गया। विदेश सचिव ने कहा, "भारत की ताजा कार्रवाई को इस परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।"

(पृष्ठ-2, 3 और 4 भी देखें)

क्या कहा कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने

मंगलवार-बुधवार की रात 1.05 से 1.30 बजे के बीच ऑपरेशन हुआ। पहलगांम में निर्दयता से जिन निर्दोष पर्यटकों को मारा गया, उसके लिए यह ऑपरेशन किया गया। पाकिस्तान में 3 दशकों से आतंकवादियों का निर्माण हो रहा है। हमले के बाद भी यह सामने आया है। हमने पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट चुने थे और स्ट्राइक में इन्हें तबाह कर दिया गया। इन जगहों पर लॉन्चर, ट्रैनिंग सेंटरों को टारगेट किया गया। हमने विश्वसनीय सूचनाओं और इंटेలిजेंस के आधार पर इन लक्ष्यों को चुना। पीओके में सबसे पहले टारगेट सवाई नाला मुजफ्फरबाद में था, यह लश्कर का ट्रैनिंग सेंटर था। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगांम यहीं प्लान किया गया। मरकज तैयबा मुरीदके में के ही तैयदना बिलाल कैप में आतंकीयों को हथियार, वियफोटक और जंगल सर्वाइवल को ट्रैनिंग दी जाती थी। गुलपुर के कोटली में लश्कर का कैप था, यहां पुंछ में 2023 में ब्रह्मलुओं पर हुए हमले के आतंकी इस परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।



सियालकोट का सरजल कैप था। मार्च 2025 में पुलिस जवानों की हत्या करने वाले आतंकवादियों को यहीं ट्रेन किया गया था। सियालकोट के महमूना जाया कैप में हिजबुल का बहुत बड़ा कैप था। यह कठुआ में आतंकवाद का निराकरण केंद्र था। पठानकोट हमला यहीं प्लान किया गया। मरकज तैयबा मुरीदके में ट्रेनिंग कैप है। अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली यहीं ट्रेन हुए थे। मरकज सुभानअल्लाह बहावलपुर जैश का हेडक्वार्टर था। यहां आतंकवादियों का रिफ्लेक्ट होता था, उन्हें ट्रैनिंग दी जाती थी। जैश के बड़े अफसर यहां आते थे।

गर्व का पल : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सदस्यों को जानकारी दी। बैठक में उन्होंने भारतीय सेना की प्रशंसा भी की। कैबिनेट बैठक की शुरुआत में पीएम मोदी को कैबिनेट मंत्रियों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए बधाई दी। कैबिनेट से जुड़े सूत्र ने बताया कि भारतीय सेना ने तैयारी के अनुसार बिना किसी गलती के कार्रवाई को अंजाम दिया। केंद्रीय कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि पूरा देश उनके साथ है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सेना की सराहना करते हुए इसे गर्व का पल बताया। 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रधानमंत्री मोदी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर मॉनिटरिंग कर रहे थे। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सैन्य कमांडरों

प्रधानमंत्री मोदी ने चुना 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम

पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों के हमले का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुना। सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को पहलगांम में 26 नागरिकों की हत्या कर दी थी जिनमें सभी पुरुष थे और अनेक मृतकों की पीड़ित परिवारों को ध्यान में रखते हुए जवाबी अभियान के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम सबसे मुक़ोद समझा गया।

के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा हमारी सेनाओं ने एक नया इतिहास रचा है। सेनाओं ने सटीकता से तय योजना के साथ आतंकी ठिकानों का खतमा किया है। किसी भी रियायशी इलाके में कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हमारी सेना ने मस्तक ऊंचा किया। सेना का सबल बढ़ाने के लिए मैं पीएम मोदी का भी धन्यवाद देता हूं। हमने केवल उन्हीं को मारा जिन्होंने हमारे मासूमों को, सेना ने आतंकीयों के कैपों को तबाह करके जवाब दिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर पहलगांम में हमारे निर्दोष भाइयों की क्रूर हत्या के प्रति भारत की प्रतिक्रिया है। मोदी सरकार भारत और उसके लोगों पर किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



काश में भी मर जाता



● मरने वालों में मसूद अजहर की बहन और मौलाना कशफ का पूरा परिवार शामिल

90 निर्दोषों की हत्या करने वाले के जब अपने मरे तो फूट-फूटकर रोया आतंकी सरगना मसूद अजहर...

एजेंसी/बहावलपुर

यद्यपि पाकिस्तान सरकार ने भारत के हमले में कुल 26 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है लेकिन सूत्रों का कहना है कि कम से कम 90 आतंकवादी ढेर हो गए हैं।

पहलगांम आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी अड्डों को मिट्टी में मिला दिया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत की

गई इस कार्रवाई में मोस्ट वॉन्टेड आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग भी मारे गए हैं। आतंकी मसूद अजहर ने चिट्ठी जारी करते हुए कहा कि दिल करता है कि काश मैं भी इस हमले में मर जाता। वह फूट-फूट कर रोया।

पाकिस्तान के बहावलपुर में भारतीय हवाई हमलों में जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर का भाई और बहन भी मारी गई हैं। घोषित आतंकवादियों के रिश्तेदार भी

हमलों में मारे गए। जैश-ए-मोहम्मद ने बयान जारी करते हुए कहा कि मौलाना मसूद अजहर की बड़ी बहन के साथ मौलाना कशफ का पूरा परिवार मारा गया है। मुफ्ती अब्दुल रऊफ के पोते पोतियां, बाजी सादिया के पति समेत सबसे बड़ी बेटी के 4 बच्चे घायल हुए हैं। ज्यादातर महिलाएं और बच्चे मारे गए हैं। बीबीसी उर्दू ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत ने बहावलपुर इलाके में सुभान

अल्लाह केंद्र को निशाना बनाया है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता के अनुसार, बहावलपुर के पास अहमदपुर शक्ति इलाके में स्थित सुभान मस्जिद को चार हमले किए गए। एक मस्जिद पूरी तरह से ध्वस्त हो गई। बहावलपुर प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद का केंद्रीय मुख्यालय भी है और मवरसा अल-सबीर और जामिया मस्जिद अल-सुभान इसका हिस्सा हैं। (पृष्ठ-2 भी देखें)



भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक के बाद करांची एयरपोर्ट पर हैरान-परेशान लोग उड़ानें रद्द होने के बाद और जानकारी मिलने का इंतजार करते हुए।



जैसे ही भारतीय एयर स्ट्राइक की खबर आई तो पाकिस्तान के पंजाब में मुरीदके शहर की सड़कों पर हर तरफ एंबुलेंस दौड़ती नजर आई क्योंकि वहां काफी तबाही हुई। (सभी चित्र-प्रेट, एपी)

25 एयरपोर्ट पर उड़ानें बंद, 320 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द की गईं

पाकिस्तान की ओर से भी एयरस्पेस पूरी तरह बंद है। किसी भी वाणिज्यिक उड़ान को पाकिस्तानी क्षेत्र में उड़ने की अनुमति नहीं दी गई है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच एयरलाइंस ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा से पहले फ्लाइट स्टेटस की जांच अवश्य करें।

दिल्ली और अन्य बड़े एयरपोर्ट्स पर सुरक्षा कड़ी

भारत-पाकिस्तान में तनाव के चलते दिल्ली स्थित गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है। यहां सीआईएसएफ के जवान स्निफर डॉग्स के साथ व्यापक तलाशी अभियान चला रहे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से बुधवार को 35 उड़ानों को रद्द करना पड़ा, जिनमें 23 घरेलू, 4 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और 8 आने वाली फ्लाइट्स शामिल हैं। इसी तरह तमिलनाडु के त्रिची एयरपोर्ट और जोधपुर एयरपोर्ट पर भी अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

3 ड्रोन आए और सब तहस-नहस

पाकिस्तान के चश्मदीद की जुबानी-एयर स्ट्राइक की कहानी

दिल्ली, (पंजाब केसरी) पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर भारत के एयर स्ट्राइक से भयानक तबाही हुई है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में 100 किमी अंदर तक नाकाबंदी आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करने का फैसला किया। भारत के एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान में 70 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की खबर है। इस स्ट्राइक के जरिए भारत ने पहलगांम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। पाकिस्तान में हुए भारत के कार्रवाई के दौरान क्या मंजर रहा, इसका जवाब वहीं के एक स्थानीय युवक ने बताया है।

पाकिस्तान के मुरीदके के युवक ने बताया- रात 12:45 बजे ड्रोन आया (पाकिस्तान के मुरीदके के एक स्थानीय युवक ने बताया, "रात के करीब 12:45 बजे पहले एक ड्रोन आया, उसके बाद तीन अन्य ड्रोन आए और उन्होंने मस्जिदों पर हमला कर दिया। सब कुछ तहस-नहस हो गया।")

ड्रोन ने सीधे मस्जिद पर किया हमला, छत पर बैठे बंदा मारा गया

चश्मदीद युवक ने बताया कि पहले एक ड्रोन आया, उसके बाद तीन और ड्रोन आए। और सीधे मस्जिद पर हमला कर दिया। इससे सब कुछ तबाह हो गया। मस्जिद की छत पर बैठे एक बंदा मर गया। चश्मदीद ने यह भी बताया कि पहले ड्रोन की हाइट ज्यादा थी। उसके बाद तीन जो ड्रोन आए वो कम ऊंचाई पर थे।

चंद मिनटों में ही नेस्तनाबूद हो गया आतंक का किला

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) भारत में पहलगांम हमले के बाद ले लिया है। मंगलवार देर रात 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक पाकिस्तान में मौजूद लश्कर, जैश और हिजबुल के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई। इन हमलों में तीनों आतंकी संगठनों के आकाओं के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया गया। ये तीन आतंकी खुन के आंसू रो रहे हैं।

इस हमले से मसूद अजहर इतना डर चुका है उसने तो यहां तक कह दिया है कि अच्छा होता कि वो भी इस हमले में मारा जाता। लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद के तीन ठिकानों पर हमला किया गया, जिनमें मिरदके, सवाई नल्ला और मरकज अहले हदीस (बरनाला) शामिल हैं। मुरीदके में मौजूद कैप को लश्कर ए तैयबा का सेंटर या डबलवार्ड भी कहा जाता है। यहीं

लश्कर, जैश और हिजबुल के 9 ठिकाने ध्वस्त

पर आतंकियों को ट्रेनिंग मिलती थी। यह ठिकाना इंटरनेशनल बॉर्डर से महज 30 किलोमीटर दूर था। बरनाला और सवाई नल्ला के ठिकानों पर आतंकियों को हथियारों और आईडी की ट्रेनिंग दी जाती थी। इस हमले में सबसे बड़ी चोट आतंकी मसूद अजहर को पहुंची है।

जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर मुख्यालय, सरजाल, बिलाल कैंप और कोटली स्थित लॉन्व पैड को निशाना बनाकर तबाह कर दिया गया। बहावलपुर, जैश का सबसे बड़ा ऑपरेशन हब था। बहावलपुर का सेंटर इंटरनेशनल बॉर्डर से 100 किलोमीटर दूर था।

जहां ली थी कसाब ने ट्रेनिंग

मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का 'मरकज तैयबा' वह स्थान है, जहां 2008 के मुंबई हमले में शामिल अजमल कसाब समेत अन्य आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया गया था। यही मरकज तैयबा जमीनतेज हो चुका है। एयर स्ट्राइक में सभी आतंकी ठिकाने तबाह हो गए।





दिल्ली के 11 जिलों में 50 स्थानों पर एक साथ हुई मॉक ड्रिल



साकेत मॉल में भी हुआ अभ्यास
दक्षिण दिल्ली के साकेत मॉल में भी इसी क्रम में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। सुरक्षा अलार्म बजते ही दिल्ली पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एंबुलेंस, सिविल डिफेंस और फायर सर्विस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंची। इस दौरान एसडीएम और एंडिशनल डीसीपी अचिन गर्ग समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास समय-समय पर आवश्यक है ताकि आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

सफदरजंग अस्पताल आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार
वीएमएससी और सफदरजंग अस्पताल (वीएमएससी एंड एंजेलो) प्रशासन ने बताया कि वह किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि उनकी आपदा प्रबंधन समिति हर प्रकार की आपदा या संकट के समय तत्परता से कार्रवाई के लिए सुसज्जित है। प्रशासन के अनुसार आपातकालीन स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए अस्पताल में व्यापक प्रोटोकॉल और पर्याप्त संसाधन मौजूद हैं। अधिकारियों का कहना है कि अस्पताल की टीमों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है ताकि किसी भी संकट की स्थिति में तुरंत सहायता प्रदान की जा सके। अस्पताल ने आम जनता को आश्वस्त किया है कि संकट की घड़ी में चिकित्सा सहायता में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

लोगों को शांत रहने का कराया अभ्यास
टाउन हॉल के पास चांदनी चौक में निकासी अभ्यास शुरू होते ही बाजार क्षेत्र में सायरन बजने लगे, जिससे लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। बचाव कार्य शुरू करने का संकेत देते हुए दूसरा सायरन बजाया गया। इस दौरान स्वयं सेवकों को घायलों को बचाने जबकि लोगों से शांत रहने और घायलों की मदद करने का अभ्यास कराया गया। दिल्ली अग्नि सेवा की क्रेन का इस्तेमाल ऊंची इमारतों तक पहुंचने और फंसे हुए लोगों को निकालने को दर्शाया गया।



9 दिल्ली, 8 मई, 2025 गुरुवार
ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्
भगवान् इस जग के कण-कण में विद्यमान हैं।



पाक को मिला मुंहतोड़ जवाब

अब इसमें किसी प्रकार का सन्देह नहीं रहना चाहिए कि पाकिस्तान एक ऐसा आतंकवादी देश है जिसकी जमीन पर दहशतगर्द तंजीमों को पाला-पोसा जाता है। यहां की सेना और सरकारों के साथे में इन तंजीमों ने पूरे पाकिस्तान को आतंकवादियों की सैरगाह में तब्दील कर दिया है। भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछली 22 अप्रैल को हुए नृशंस हत्याकांड का बदला इन्हीं दहशतगर्द तंजीमों के नौ ठिकानों पर मिसाइल हमला करके लिया है और पूरी दुनिया को बता दिया है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी सीमाओं के भीतर से ही कार्रवाई करने में समर्थ है। भारत की जांबाज फौजों ने जिस प्रकार पाक अधिकृत कश्मीर से लेकर पाकिस्तान के बहावलपुर में स्थित आतंकवादी शिविरों व ठिकानों को निशाना बनाया है उससे यह प्रमाणित हो गया है कि पाकिस्तान की फौजें आतंकवाद को भारत में फैलाने में मदद देती हैं।

दरअसल पाकिस्तान की बुनियाद ही हिन्दू नफरत पर रखी गई है। यहां की फौज हिन्दू विरोध से ही प्रेरित होकर भारत विरोध करती आ रही है। इसीलिए पहलगाम में 26 भारतीय पर्यटकों का धर्म पूछकर हत्या की गई जिनमें एक नेपाली नागरिक भी शामिल था। इस जघन्य कांड का बदला लेने की घोषणा भारत के प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल को ही कर दी थी और पूरी दुनिया को बता दिया था कि भारत आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों को ऐसी सजा देगा जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। अतः पाक स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमला करके भारत ने माकूल जवाब दिया है। श्री मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे पाकिस्तान आज मिमियाता नजर आ रहा है। भारत का बच्चा-बच्चा आज प्रधानमन्त्री के इस हौसले को सराह रहा है और सोच रहा है कि श्री मोदी जैसा कहते हैं वैसा ही करते हैं। इस संकट की घड़ी में पूरा भारत उठर से लेकर दक्षिण तक एक है और अपने प्रधानमन्त्री के हाथ धजबूत करना चाहता है। पाक स्थित जिन नौ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया गया है उनमें दुर्दान्त आतंकवादी मौलाना अजहर मसूद का घर भी शामिल है जिसमें उसके परिवार के 14 सदस्य हलाक हो गये हैं। मसूद अब चिल्लाता फिर रहा है कि अगर वह भी मर जाता तो बेहतर होता। यह मसूद वही है जिसे भारत ने 2000 में अपना एक यात्री विमान अपहरण हो जाने पर उसमें सवार यात्रियों की जान छुड़ाने की एवज में छोड़ा था। इस पर न जाने कितने मासूम लोगों की हत्या करने का इल्जाम है। मगर गौर करने वाली बात यह है कि खूंखार आतंकवादियों की पनाहगाह बने पाकिस्तान को क्या खुद को जायज मुल्क कहने का हक है?

हकीकत तो यह है कि पाकिस्तान 14 अगस्त, 1947 से ही एक जायज मुल्क नहीं है क्योंकि यह हिन्दू-मुसलमान की बुनियाद पर मुहम्मद अली जिन्ना ने अंग्रेजों के साथ साजिश करके दस लाख से भी अधिक लोगों की लाशों पर तामिर् कराया था। ऐसा दुनिया के इतिहास में दूसरी बार हो रहा था कि किसी मुल्क के बनने पर आबादी की ही अदला-बदली की गई हो। यह अदला- बदली हिन्दू-मुसलमान के आधार पर की गई थी। अतः ऐसे मुल्क का ईमान केवल हिन्दू विरोध बन कर रह गया और यहां के हुक्मरानों ने इसी को अपने वजूद की शर्त बना डाला। इसी शर्त के चलते पाकिस्तान ने अपने बनने के तुरन्त बाद जम्मू-कश्मीर पर हमला बोला और इस सूबे का एक-तिहाई हिस्सा अपने कब्जे में कर लिया। इस पाक अधिकृत कश्मीर में ही भारत की फौजों ने पांच आतंकवादी शिविरों को नेस्तनाबूद किया। जिस कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है उसे ही पिछले तीस सालों से पाकिस्तान ने आतंकवाद फैला कर जहनूम में तब्दील करने की कोशिश की। इसी आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत की मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर सूबे के रुतबे में बदलाव किया और इसे भारतीय संघ के साथ मजबूती से जोड़ा। इस कार्य में भारत की सेनाओं ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कश्मीर की वादियों से आतंकवादियों की सफाई का अभियान चलाया। जिसके चलते जम्मू-कश्मीर में रैनक लौटने लगी और भारत के शेष हिस्सों से इस रास्ता में सैलानी पुनः आने लगे। पिछले साल सवा दो करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर की हसीन वादियों की सैर करने आये। इससे कश्मीर फिर चहकने लगा जो पाकिस्तान से बदरिश नहीं हुआ और इसके पाले हुए आतंकवादियों ने पिछले 22 अप्रैल को जघन्य हत्याकांड कर डाला मगर इसमें भी हिन्दुओं की ही चुन-चुन कर मारा अतः भारत भी अब दहशतगर्दों को चुन-चुन कर मारेगा जिसकी घोषणा गृहमन्त्री श्री अमित शाह ने की थी।

जरा सोचिये जिस पाकिस्तान को पीने का पानी भी भारत की कृपा से मिलता हो वही हमें आंखें तोरेता है और आतंकवाद को पनपा कर हमें लहलुहान करता है। वे दिन अब चले गये हैं जब पाक परस्ट कश्मीरी तंजीमों को केन्द्र सरकार दूध पिलाने का काम किया करती थी। अब देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार है और श्री मोदी का यह अहद है कि वे ‘‘जैसे को तैसा’’ तेवरों से जवाब देंगे। प्रधानमन्त्री के इन्हीं तेवरों से घबरा कर पाकिस्तान पिछले दिनों राष्ट्रसंघ की सुरक्षा परिषद में गया मगर वहां से भी इसे कड़ी फटकार मिली। भारत ने कूटनीतिक मोर्चे पर जो नाकाबन्दी की है उसमें सिन्धु नदी जल समझौता प्रमुख है जिसे भारत ने फिलहाल मुलतवी कर रखा है। पाकिस्तान कह रहा है कि यदि भारत ने पानी रोका तो यह युद्ध करने जैसा होगा लेकिन भारत ने तो पाकिस्तान के घर में घुसकर उसके आतंकवादी शिविरों को सीधा निशाना बना डाला है।

भारत की सेना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अनुशासित पेशेवर फौज है। सैनिक मोर्चे पर पाकिस्तान भारत का मुकाबला नहीं कर सकता इसीलिए वह अपने एटमी ताकत होने का हौवा खड़ा करता रहता है। मगर भारत की फौजों का ईमान है कि वह ईसानियत की रखवाली है और अपने ऊपर आक्रमण होने के बाद ही उसका यथोचित उत्तर देती है। इस सेना के बारे में प्रसिद्ध है कि,

“ताकत वतन की हमसे है

इज्जत वतन की हमसे है

ईसान के हम रखवाले।”

मूलभूत सुविधाएं...

"गरीब और गरीबी इस हद तक लाचार हैं, मूलभूत सुविधाएं अब पहुंच से बाहर हैं, सामाजिक कल्याण की योजनाएं तो भरमार हैं, पर भ्रष्टाचार की दीमक हर विभाग पर सवार है,, यह सिस्टम और तंत्र दोनों की हार है, जो बार-बार दिशा-निर्देश के बावजूद भी प्राइवेट संस्थानों ने बनाया शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों को व्यापार है...।"

त्रासदी के बावजूद हिमांशी ने राष्ट्र को रास्ता दिखाया



22 अप्रैल को पहलगाम की बैसरन वादी में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर वादी में बदलाव की लहर नज़र आ रही है। पहली बार कश्मीर वादी इस दर्दनाक घटना के विरोध में बाक़ी देश के साथ खड़ी है। लोगों ने सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किए। इस बार भारत सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि बैसरन के भगानक हमले के खिलाफ। पहलगाम में टैक्सि चालकों ने तख़्तीयां पकड़ी हुई थी, I Am Indian. वह नारे लगा रहे थे, ‘‘हम हिन्दी-स्तानी हैं’’ और ‘‘हिन्दी-स्तान हमारा है ’’। ऐसे दृश्य वादी में पहले नहीं देखे गए, तब भी नहीं जब सब कुछ सामान्य था। कश्मीर घाटी पाकिस्तान के खिलाफ बिल्कुल एकजुट थी। पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शनों का नेतृत्व वही सिविल सोसाइटी कर रही थी जो कभी भारत सरकार के खिलाफ सड़कों पर निकलती थी। जिन मस्जिदों से कभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई, उन्हीं मस्जिदों से मारे गए टूरिस्ट के प्रति शोक प्रकट किया गया और पाकिस्तान की निन्दा की गई। कई मस्जिदों में लोगों ने काली पट्टियां बांधी हुई थीं। जामिया मस्जिद में मौलवी मीरवाइज जो कभी अलगाववाद के प्रवक्ता थे, ने इस हत्या कांड के बाद कहा कि इस हमले ने लोगों के दिलों को झकझोर कर रख दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शन कर कश्मीर के लोगों ने आतंकवाद के प्रति अपनी पूर्ण अस्वीकृति प्रकट कर दी है। श्रीनगर के लाल चौक जहां कभी टूरिस्ट जाने से घबराते थे, वहां दुकानदारों ने हमले के विरोध में दुकानों के बाहर काले झंडे लगाए। कश्मीर के प्रमुख समाचार पत्रों ने मुख्य पृष्ठ को काला कर घटना का समाचार छाप।

यह बात कश्मीरियों को समझ आ गई है कि बुलेट उनकी रोजी रोटी पर भी चलाया गया। पिछले साल वहां 2.3 करोड़ टूरिस्ट आए थे। यह साल भी अच्छा चल रहा था कि गोलियां चला दी गई। थारा 370 हटाए जाने के बाद कुछ देर बेचैनी रही थी पर बेहतर हुई स्थिति के कारण कश्मीरियों ने हालात से समझौता कर लिया था। इसके लिए उन्हें सबक सिखाया गया है। कश्मीर पर विशेषज्ञ लै.जन्तरल (रिटायर्ड) केजेएस हिल्लॉं का साफ़ कहना है कि, ‘‘पहलगाम का हमला टूरिस्ट के खिलाफ नहीं था, वह कश्मीरियों की रोजी रोटी के खिलाफ था। आज स्थानीय लोग

शान्ति प्रक्रिया में साझेदार हैं। वह पुगने काले दिनों में वापिस नहीं लौटना चाहते।’’।

कश्मीरियों को समझ आ गई है कि यह कोई जेहाद नहीं है। हमला सुरक्षा बलों पर या व्यवस्था पर नहीं किया गया।हमला निहत्थे लोगों पर किया गया। भारी संख्या में होटल और एयर बुकिंग रद्द कर दी गई है। यह बड़ा धक्का है होटल वाले से ख़्चर वाले सब प्रभावित हैं। पहलगाम में ही रोजाना 10000 टूरिस्ट आ रहे थे।यह सब एकदम गायब हो गया है। बाक़ी टूरिस्ट स्थल से भी यही समाचार है। अब वहां केवल ख़ाली बैठे स्थानीय लोग और सुरक्षा बल रह गए हैं। विधानसभा में पहली बार सर्वसम्मति से दहशतगर्दों के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 26 साल के बाद बिना किसी आह्वान के लोग बाहर निकले हैं। इस बदलाव को हमें कायम रखना है । उमर अब्दुल्ला का भाषण अत्यंत भावुक था।

उनका कहना था, ‘‘मेजबान होने के नाते सुरक्षा की जिम्मेवारी मेरी थी। इन के परिवारजनों से मैं कैसे माफी मांगूं? मेरे पास शब्द नहीं हैं...उन बच्चों से क्या कहूं जिन्होंने अपने वालिद को खून से सना हुआ देखा है ? उस नेवै अफ़सर की विधवा को क्या कहूं जिसकी शादी चंद दिन पहले हुई थी?’’

चाहे उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि उनके पास शब्द नहीं हैं पर जो शब्द उन्होंने कहे वह एक अत्यंत संवेदनशील ईसान के शब्द हैं। आजकल तो हर असफलता के लिए दूसरे पर दोष डाला जाता है पर यहां वह आगे पुलिस जिम्मेवारी ज़रफ़्त कर रहे थे जबकि अक्सर या सुरक्षा बल उनके अधीन नहीं हैं। आजकल के माहौल में वह अपवाद है। उन्होंने खचर वाले सैयद अदिल हुसैन शाह की कुर्बानी का भी जिक्र किया। उसकी बहादुरी से पता चलता है कि वहां कैसा बदलाव आया है। उसके गरीब पिता का बेचैनी रही थी पर बेहतर हुई स्थिति के कारण कश्मीरियों ने हालात से समझौता करते हैं’’। उस दिन जो 26 मारे गए उनमें से केवल अदिल कश्मीरी था। उसने आतंकी का सामना कर पूछा कि वह बेकसूरों को क्यों मार रहे हैं? उस समय दो परिवार हथियारबंद आतंकियों का सामना कर रहे थे। आतंकी को रोकने के लिए अदिल ने उसके

हथियार छीनने की कोशिश की जिस पर उसे तीन गोलियां मारी गईं और वहां ही उसकी मौत हो गई।एक गाइड ने 11 लोगों के परिवार को बचाया। पुणे से गए असावरी जंगलले ने बताया जब वह लोग उस अफ़रातफ़री के बचकर निकले तो केब चालक और खचर वालों ने उन्हें बचाया। बरस रही गोलियों की परवाह किए बिना शॉल बेचने वाला साजिद बट्ट एक घायल को पीठ पर उठा कर भाग निकला और उसकी जान बचा दी।

अदिल अपने परिवार में एकमात्र कमाने वाला था। वह एक तरफ़ हट सकता था, आतंकी उसे कुछ नहीं कहते पर उसने आगे आकर उन्हें चैलेंज किया।उसकी बहादुरी का सम्मान न केवल जम्मू-कश्मीर सरकार बल्कि भारत सरकार को भी करना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि कई लोग इस घटना को लेकर साम्प्रदायिक तनाव खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। कई जगह कश्मीरी छात्रों को परेशान किया गया और हमले भी किए गए।लौटने अपने घर कश्मीर कीटने पर मजबूर हो गए।ऐसी घटनाओं से सख्ती से निपटना चाहिए।जो ऐसा कर रहे हैं वह न केवल देश का अर्चित कर रहे हैं पाकिस्तान के मक़सद को भी पूरा करने में लगे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जे.एफ.रिबेरो जिन्होंने पंजाब

आतंकवाद समाप्त करने में बड़ी भूमिका निभाई थी ने लिखा है, ‘‘आतंकवाद को समाप्त करने का एकमात्र रास्ता है कि उस समुदाय के दिल जीते जाएं जिनसे आतंकी आते हैं’’। मैं स्वीकार करता हूं कि अतीत में कश्मीरियों ने भी बहुत गलतियां की हैं पर अगर अब वह बदलना चाहते हैं और पाकिस्तान में शामिल होना चाहते हैं तो इसका स्वागत होना चाहिए।

हमले करने के पाकिस्तान के दो बड़े मक़सद थे, कश्मीरियों की रोजी रोटी पर वार करना और देश में साम्प्रदायिक तनाव खड़ा करना। इसीलिए टूरिस्ट को धार्मिक रूप पर निशाना बनाया गया। पाकिस्तान हिन्दू-मुस्लिम तनाव बढ़ता देखना चाहता है। हमें इस जाल में नहीं फंसना। आगरा से बहुत विचलित करने वाला समाचार मिला है जहां एक स्वयंभू गाय रबक ने बिरयानी बेचने वाले एक मुसलमान को गोली मारी दी और फिर गर्व से कहा कि, ‘‘मैंने पहलगाम हमले का बदला ले लिया’’। यह अत्यंत दुख की बात है कि

राजनीतिक और धार्मिक नेता ऐसी हरकतों की निन्दा करने से घबराते हैं।जो लोग नफ़रत फैलाने में लगे हुए हैं वह देश विरोधी हैं। भारतीय जनता पार्टी पर बहुत जिम्मेवारी है। उन्हें यह प्रदर्शित करना है कि इस चुनौतीपूर्ण समय जब चीन और पाकिस्तान इकट्ठे समस्या खड़ी कर रहे हैं और दूसरे बड़े देश चुपचाप तमाशा देख रहे हैं,उनमें देश को एकजुट रखने की क्षमता है।जम्मू-कश्मीर के पूर्व वित्त मंत्री हसीब ऐ द्राब्बू ने इसे ‘‘टरनिंग पॉइंट’’ कहा है क्योंकि आतंक का विरोध सिविल सोसाइटी कर रही है। इस मौक़े को हाथ से जाने नहीं दिया जाना चाहिए।

अंत में गुलमेहर कौर जिसके पिता 1999 में जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से लड़ते शहीद हो गए थे ने सही कहा है कि आतंकवाद की सही पराजय तब होती है जब हम हिंसा को विभाजित नहीं करने देते। सबसे सशक्त हिमांशी नरवाल जिसके पति नौसेना अधिकारी विनय नरवाल को मार दिया गया था, की अपील है कि ‘हमें मुसलमानों और कश्मीरियों को टाइट नहीं करना चाहिए। हमें शान्ति चाहिए और मुझे न्याय चाहिए’’।9 आतंकी शिविरों पर ‘आप्रेशन सिंदूर’ के द्वारा एयर स्ट्राइक कर हिमांशी और दूसरे पीढ़ितों को ‘न्याय’ देने की प्रक्रिया शुरू हो गई निपटना चाहिए।जो ऐसा कर रहे हैं वह न केवल देश का अर्चित कर रहे हैं पाकिस्तान के मक़सद को भी पूरा करने में लगे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जे.एफ.रिबेरो जिन्होंने पंजाब

कुछ बचा है, सब कुछ ख़त्म नहीं हो गया। पर यह अत्यंत दुख की बात है कि कुछ लोग हिमांशी के भी पीछे पड़ गए हैं। उसे ट्रोल किया जा रहा है। चरित्र हनन की कोशिश हो रही है यहां तक मांग की गई कि इस विधवा को उसके पति की पैशन नहीं मिलनी चाहिए।जिन्होंने आजकल कभी बंदूक नहीं उठाई, आतंक का सामना नहीं किया ऐसे इडिलिटल शूरवीर हिमांशी पर गिद्धों की तरह टूट पड़े हैं। अगर इनमें इतना जोश है तो इन्हें बीएसएफ़ में भर्ती कर पाकिस्तान सीमा पर भेज देना चाहिए। पर यह कैसा देश हमारा बन रहा है? यहां कोई सही बात नहीं कर सकता ?यह नफ़रत हमें कहां पहुंचाएगी? हम क्यों अपने दुश्मनों की मुग़द पूरी करने में लगे हैं?

पाकिस्तानियों को सिख सैनिकों का खौफ आज भी है



इतिहास गवाह है कि भारतीय सेना में तैनात सिख सैनिकों का खौफ आज भी पाकिस्तानियों को है, क्योंकि बाबा बन्दा सिंह बहादुर सहित अनेक ऐसे सिख योद्धा हुए हैं जिन्होंने मुगलों की



ईंट से ईंट बजा दी। इतना ही नहीं देश की आजादी के बाद जब भी पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ा तो सिख रेजीमेंट सहित भारतीय सेना में तैनात सिख सैनिको के द्वारा उन्हें मुंह की खानी पड़ी। 1965 की जंग में एक समय ऐसा भी आया जब पाकिस्तान भारत पर पूरी तरह से हावी हो चुका था और उसकी पूरी तैयारी दिल्ली की ओर कूच की थी।ऐसे में भारतीय सेना के आर्मी चीफ जनरल चौधरी ने पंजाब में तैनात कमांड के मुखिया लीफ्टनैंट हरबक्ष सिंह को आर्डर किया कि अपनी कमांड को लेकर ब्यास के इस पार आकर अम्बाला में मोर्चा सम्भालें ताकि पाकिस्तानी सेना को अम्बाला में रोका जा सके। मगर उस समय एक सिख योद्धा जिसे गुरु गोबिन्द सिंह जी से दुश्मन के खिलाफ आगे होकर लड़ने की प्रेरणा मिली हो उसने अपने सैनियर अफसर का आदेश

इस कारण ठुकरा दिया क्योंकि उनकी सोच थी कि कुछ साल पहले ही बंटवारे के समय सिख समुदाय अपने पवित्र एतिहासिक गुरुद्वारा साहिब जिसमें गुरु नानक देव जी की जन्मस्थली ननकाना साहिब, पंजा साहिब आदि शामिल थे, बंटवारे के चलते पाकिस्तान में छोड़ आए हैं और अगर अब पाकिस्तानी सेना को ना रोका गया तो संभव है कि श्री दरबार साहिब अमृतसर भी भारत के कब्जे से निकल जाए।ऐसे में अमृतसर जाने के लिए भी वीजा लेकर जाना पड़ेगा, इसलिए लीफ्टनैंट हरबक्ष सिंह ने अपनी कमांड के साथ पाकिस्तानी सेना का ना सिर्फ डटकर मुकाबला किया बल्कि लाहौर तक जाकर वहां अपना कब्जा जमा लिया मगर बाद में राजनीतिक सोच ने उसे वापिस पाकिस्तान के हवाले कर दिया। उसके बाद भी जब कभी पाकिस्तान ने आंखें दिखाई तो सिख सैनिकों ने उनका मुंहतोड़ जवाब दिया। आज विदेशों की धरती पर बैठकर खालिस्तान मुहिम चलाने वाले गुरपतवंत सिंह पन्तू जैसे लोग भारतीय सेना में तैनात सिख सैनिकों को सम्बोधन करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ जंग का हिस्सा ना बनने के मशवरे दे रहे हैं, पर शायद उन्हें इस बात का रतीभर भी ज्ञान नहीं कि सिक्खों ने इस देश की आन-बान-शान के लिए सबसे अधिक कुर्बानियां दी हैं और आगे भी अगर देश को जरूरत पड़ी तो सिख सैनिक सबसे आगे की कतार में खड़े पाएंगे।

पाकिस्तान हमेशा से आतंकियों को समर्थन करता आ रहा है जो समय-समय पर भारत सहित अन्य देशों में आतंकी हमलों को अन्जाम देते आए हैं। इतना ही नहीं कई बार तो इन आतंकियों ने पाकिस्तान के अन्दर भी कई घटनाओं को अन्जाम दिया,बावजूद इसके पाकिस्तान सरकार का समर्थन जारी है। हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में बेकसूर भारतीय पर्यटक मारे गए जिसके बाद भारत की मोदी सरकार पूरी तरह से हरकत में आ गई और ठान लिया कि अब और बर्दाश नहीं किया जा सकता क्योंकि पाकिस्तान सुधरने वाला नहीं है। इससे पहले कई बार भारत ने पाकिस्तान को चेलावनी भी दी मगर उसका कोई खास असर पाकिस्तान पर नहीं हुआ। जिसके बाद भारतीय वायु सेना के द्वारा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर सहित 9 आतंकी ठिकानों पर हमला कर उन्हें ध्वस्त किया।



सिंह वीरजी द्वारा निभाई जा रही पंथक सेवाओं से खासे प्रभावित हैं। जब वह दिल्ली कमेटी के अध्यक्ष हुआ करते थे तो उन्होंने परमजीत सिंह वीरजी को धर्म प्रचार के चेयरमैन की सेवा सीपी और उनके काम करने के अन्दाज को देखा। एक बार फिर परमजीत सिंह वीरजी के द्वारा गुरबाणी रिसर्च संस्था के बैनर तले 400 से अधिक बच्चों का गुरबाणी कंठ मुक़बाला करके मानो इतिहास रचा हो, क्योंकि इससे पहले इस तरह का मुक़बाला देखने को नहीं मिला जिसमें छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा जपुजी साहिब, जाप साहिब, सुखमनी साहिब, चौपई साहिब आदि बाणियों को कंठस्थ करके सुनाया हो। देखा गया कि करीब 6 महिने का समय लग गया, बच्चों से बाणी सुनकर उनकी छांटी कर अव्वल रहे बच्चों का मुक़बाला करवाया गया, उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। इनमें एक बच्ची जिसे पंजाबी पढ़नी या लिखनी तक नहीं आती और पर सिख परिवार से सम्बन्ध रखती है, उसके द्वारा 5 से अधिक बाणियों को कंठस्थ करके सुनाया गया जो कि शायद आज के समय में गुरुद्वारों के ग्रन्थी, सेवादारों की भी याद नहीं होतरी, ज़्यादातर मोबाइल फोन रखकर ही गुरबाणी उच्चारण करते हैं। इस बच्ची को गुरबाणी याद करवाने का श्रेय उनकी दादी को जाता है। इससे एक बात और निकल कर आती है कि आजकल

परिवार छोटे होने और व्यस्त जिन्दगी के चलते घर के बड़े बुजुर्गों के पास बैठने का बच्चों को समय ही मिल पाता।

आम की गुठलियों से पौधे बनाकर करते

आमों की गुठलियां (बीज) जिसे हर कोई खाकर फेंक देता है कोलकता के 51 वर्षीय जसमीत सिंह अरोड़ा उन्हीं आम की गुठलियों इकट्ठा करते हैं और उन्हें अंकुरित कर पौधे तैयार करते हैं और बड़ा होते ही उन्हें किसानों को बिना किसी शुल्क के भेंट कर अनोखी सेवा निभा रहे हैं। अरोड़ा किसानों को जैविक खेती का तकनीकी ज्ञान देना चाहते हैं और उन्हें उद्यमी बनाना चाहते हैं। ‘‘ग्राम समृद्धि फाउंडेशन के तहत वह किसानों को फलदार वृक्ष लगाने में सहयोग देते हैं। तीस साल से वे इस विचार को संजोए हुए हैं लेकिन असली रफ्तार तब मिली जब उनकी छोटी बेटी ‘गुनमीत’ ने उनका एक वीडियो बनाया जिसमें वे आम की गुठलियां दान करने की अपील कर रहे थे। उनकी मां तो भारत की 80 प्रतिशत जमीन आम की खेती के लिए उपयुक्त है। दवाओं के व्यापार से जुड़े अरोड़ा का उद्देश्य केवल इतना है कि जल, भूत और वायु की शुद्धता के साथ-साथ मन की शुद्धता को

लिए भी कुछ किया जाए। वह कहते हैं, ‘‘जो लोग मदद करना चाहते हैं वे बीज भेज सकते हैं। जिनके पास जमीन है वे बीज अंकुरित करने का काम कर सकते हैं और जो समय व सेवा देना चाहते हैं उनके लिए मैं कार्य की व्यवस्था कर सकता हूँ।’’

चंद्रमा पर होंगे भारतीय अंतरिक्ष यात्री के पदचिह्न: मोदी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नए विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है और उसके अंतर्चेत। वैश्विक कंठस्थ अन्वेषण सम्मेलन के लिए अपने रिकॉर्ड किए गए संदेश में मोदी ने कहा कि देश में अन्वेषण के मिशनों में ‘‘मॉल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं’’।

उन्होंने मंगलवार को रिकॉर्ड किए गए वीडियो संदेश में कहा, ‘‘भारत की अंतरिक्ष यात्रा का अर्थ दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है। इसका अर्थ है एक साथ मिलकर ऊंचाईयों को छूना।हम मानवता की भलाई के लिए अंतरिक्ष की खोज करने के वास्ते एकसाथ मिलकर लक्ष्य साझा करते हैं।’’ उन्होंने कहा कि भारत ने दक्षिण एशियाई देशों के लिए एक उपग्रह प्रक्षेपित किया है और ‘‘जी-20’’ देशों की अध्यक्षता के दौरान घोषित ‘‘जी-20 उपग्रह मिशन’’ ‘‘ग्लोबल साउथ’’ के लिए एक उपहार होगा।‘‘मोदी



ने 2027 को शुरूआत में प्रस्तावित प्रक्षेपण का जिक्र करते हुए कहा, ‘‘हमारा पहला मानव अंतरिक्ष-उड़ान मिशन ‘गगनयान’ हमारे देश की बढ़ती आकांक्षाओं को प्रदर्शित करता है।’’ प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले हफ्तों में, एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो-नासा के संयुक्त मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा करेगा। एक्सओम-4 मिशन को 29 मई को प्रक्षेपित करने की योजना है और भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तथा तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री कक्षीय प्रयोगशाला में 14 दिन का

मंगल और शुक्र भी रडार पर

● ‘भारत की अंतरिक्ष यात्रा का अर्थ दूसरों से प्रतिस्पर्धा करना नहीं है

प्रवास करेंगे। इसी तरह ‘ग्लेक्स-2025 का आयोजन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री महासंघ और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा किया जा रहा है। मोदी ने कहा, ‘‘अंतरिक्ष केवल एक मंजिल नहीं है। यह जिज्ञासा, साहस और सामूहिक प्रगति की घोषणा है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा इसी भावना को प्रदर्शित करती है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘वर्ष 2035 तक, भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में नई सीमाएं खोलेंगी। वर्ष 2040 तक किसी भारतीय के कदम चंद्रमा पर होंगे। मंगल और शुक्र भी हमारे रडार पर हैं।’’ मोदी ने कहा कि वर्ष 1963 में एक छोटे रॉकेट को लॉन्च करने से लेकर, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव

की खोज में सहायता की। चंद्रयान-2 ने हमें चंद्रमा की उच्चतम-रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें भेजीं। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के बारे में हमारी समझ को बढ़ाया।’’ मोदी ने कहा, ‘‘हमने रिकॉर्ड समय में क्रायोजेनिक इंधन तैयार किए। हमने एक ही मिशन में 100 उपग्रह भेजे। हमने अपने प्रक्षेपण यात्रों से 34 देशों के 400 से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं। इस वर्ष हमने दो उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित किया, जो एक बड़ा कदम है।’’



स्वत्वाधिकारी दैनिक समाचार लिमिटेड,
2-प्रिंटिंग प्रेस कॉम्प्लेक्स, नजदीक
वजीरपुर डीटीसी डिपो, दिल्ली-110035
के लिए युद्धक, प्रकाशक तथा सम्पादक
अनिल शारदा द्वारा पंजाब केसरी प्रिंटिंग
प्रेस, 2-प्रिंटिंग प्रेस कॉम्प्लेक्स, वजीरपुर,
दिल्ली से मुद्रित तथा 2, प्रिंटिंग प्रेस
कॉम्प्लेक्स, वजीरपुर, दिल्ली से
प्रकाशित।

जब-जब भारत के अस्तित्व और सम्मान को कोई चोट पहुंचाएगा तो भारत दुश्मन के घर में घुसकर मारेगा...

‘ऑपरेशन सिंदूर’ से पहलगाम में अपने पति खो चुकी महिलाओं के सुहाग को श्रद्धांजलि



राहुल शर्मा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : ‘सिंदूर’ यानी किसी शादीशुदा महिला के सुहाग की निशानी, महिला के सुहागन होने का प्रतीक। गत 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। आतंकियों ने किसी भी महिला को निशाना नहीं बनाया, केवल पुरुष पर्यटकों को

चुन-चुन कर बेरहमी से मारा था और दुस्साहस करते हुए कहा था कि ‘मोदी को बता देना’, यहां तक की महिलाओं ने आतंकियों से बार-बार मिन्नतें कीं कि उन्हें भी मार दो, पति नहीं रहा तो वो भी अब जिंदा रहकर क्या करेंगी।

22 अप्रैल मंगलवार के ठीक दो सप्ताह बाद मंगलवार देर रात 6 व 7 मई की रात भारतीय वायु सेना ने पाक पोषित आतंकियों के ठिकानों पर हमला कर साबित कर दिया की 26 निर्दोष लोगों की हत्या के दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। हम बात कर रहे हैं ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की कि ऑपरेशन सिंदूर कोई अचानक दिया गया नाम नहीं है। पहलगाम घटनाक्रम के ठीक बाद से देश के हर नागरिक का खून उबाल मार रहा था क्योंकि इस



बार आतंकियों की नजरों में दुश्मन बने भारतीय सैनिक नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर घूमने गए

पर्यटकों को निशाना बनाया गया था। देश के हर नौजवान से लेकर बुजुर्ग तक मां

कर रहे थे कि भारत को जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए, लेकिन यह विवाद दो लोगों के बीच नहीं, बल्कि दो देशों के बीच सक्रिय आतंकवाद और उनके हुक्मरान पर चोट करने का था। लिहाजा विदेश नीति, कूटनीति और हर प्रकार के लंबे मंथन के बाद ठोस रणनीति तय कर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ लॉन्च किया गया। इस ऑपरेशन में सिंदूर शब्द विधवा हुई महिलाओं के सुहाग यानी उनके दिवंगत पति के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। पहलगाम में विधवा हुई हर वह महिला जिनका सिंदूर उनकी आंखों के सामने बेरहमी से मिटा दिया गया, जिनके हाथों की चूड़ियां पति को मुखाग्नि देने से पूर्व तोड़ दी गईं, उन सभी के लिए एयर फोर्स के ‘ऑपरेशन सिंदूर’ सच्ची श्रद्धांजलि है।

इस कार्रवाई से भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया की जिस समय देश का खून उबाल मार रहा था और हर भारतवासी सरकार से हिसाब मांग रहा था, तब सरकार सोई नहीं थी और न ही 26 लोगों की हत्या को भूली थी। केवल इंतजार था माकूल जवाब देने के लिए एक मुनासिब वक्त का और इंडियन एयरफोर्स ने आखिर वह कर दिखाया जिसका हम सभी को इंतजार था। पहलगाम में मारे गए लोगों को कभी नहीं भुलाया जा सकता है, लेकिन दुश्मन को यह कड़ा संदेश दे दिया गया है कि जब-जब भारत के अस्तित्व और सम्मान पर कोई चोट करेगा तो भारत रूकेगा नहीं, बल्कि दुश्मन को उसके घर में घुसकर मुंहतोड़ जवाब देगा।

किसी के माथे का सिंदूर न मिटने देंगे मिटाया तो घर में घुस के मारेंगे: रेखा

ऑपरेशन सिंदूर पर सीएम की अध्यक्षता में दिल्ली कैबिनेट में प्रस्ताव पास, पीएम-सेना को बधाई

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की कामयाबी पर दिल्ली सचिवालय में दिल्ली कैबिनेट ने प्रस्ताव पारित कर प्रधानमंत्री मोदी और सेना को बधाई दी है। दिल्ली कैबिनेट द्वारा पारित इस प्रस्ताव में कहा गया कि दिल्ली कैबिनेट ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को क्रियान्वित करने में भारतीय सशस्त्र बलों को नेतृत्व और समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करती है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि किसी माथे का सिंदूर न मिटने देंगे, मिटाया तो घर में घुस के मार देंगे। दिल्ली सरकार भारत के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के अपराधियों को सफलतापूर्वक बेअसर करने के लिए हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी, सटीकता और देशभक्ति की सराहना करती है। भारत आतंकवाद के सामने एकजुट है और यह ऑपरेशन हमारी ताकत, एकता और हमारे लोगों और हमारी भूमि की रक्षा करने के संकल्प का प्रमाण है। सीएम रेखा गुप्ता ने बैठक के बाद कहा कि बुधवार को हाल ही में पहलगाम, जम्मू और कश्मीर में हुए दुःखद



आतंकवादी हमले के मद्देनजर कैबिनेट बैठक बुलाई गई थी, इस हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई थी। कैबिनेट, पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती है और राष्ट्रीय शोक की इस घड़ी में उनके साथ खड़ी है। सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पर लिखा कि किसी माथे का सिंदूर न मिटने देंगे, मिटाया तो घर में घुस के मार देंगे। ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम में मारे गए उन बेगुनाह 26 लोगों को श्रद्धांजलि है। देश के वीर सैनिकों को नमन, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को नमन।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सचदेवा ने की सराहना

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने भारतीय सेना, भारत सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई दी है और कहा है कि यह हमारे सैन्य बलों के पराक्रम इतना श्रेष्ठ है कि इतने बड़े ऑपरेशन सिंदूर में वायुसेना ने अपने सभी पूर्व निर्धारित आतंकी ठिकानों को तो नष्ट कर डाला पर किसी सामान्य नागरिक को क्षति पहुंचे ऐसी कोई चूक नहीं की। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि गत लगभग 2 सप्ताह से 140 करोड़ भारतीय आतंक के सरपरस्त पाकिस्तान पर जिस सैन्य कार्रवाई का बेताबी से इंतजार कर रहे थे, वह भारत के जाबजो ने प्रधानमंत्री मोदी के सफल नेतृत्व में पूरा कर दिखाया है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत तक जाकर जिस तरह आतंक पर एक निर्णायक प्रहार किया गया है, दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ता भारतीय सेना के प्रति आभारी हैं और सैनिकों को आश्चर्य करते हैं की पूरा देश उनके साथ खड़ा है।

भारतीय सेना व वीर जवानों पर गर्व: केजरीवाल

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : आम आदमी पार्टी ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की कामयाबी पर भारतीय सेना को बधाई दी है। पहलगाम हमले के जवाब में मंगलवार की आधी रात भारतीय सेना ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को सफल कर अपनी वीरता का परिचय दिया और पाकिस्तान में चल रहे कई आतंकी ठिकाने को तबाह कर दिया। इस कामयाबी पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया, पंजाब के मुख्यमंत्री भागवंत मान,

‘आप’ दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज व दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत अन्य नेताओं ने भारतीय सेना और वीर जवानों को बधाई देते हुए उनके पराक्रम को नमन किया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की सफलता के लिए भारतीय सेना को बधाई दी और कहा कि हमें भारतीय सेना और अपने वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। भारतीय सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है।

हमारी सेना के साहस और वीरता को सलाम हैं: सिसोदिया

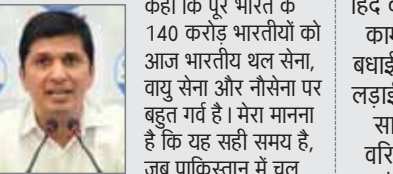
‘आप’ के वरिष्ठ नेता व पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर एक्स पर कहा कि भारतीय सेना और हमारे वीर जवानों ने एक बार फिर हमें गर्व से भर दिया है। ये सिर्फ आतंकवादी हमले का जवाब नहीं है, बल्कि हर एक भारतीय के सम्मान की रक्षा भी है। हमारी सेना के साहस और वीरता को सलाम है। आज गर्व के साथ पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। जय हिंद, जय भारत।

140 करोड़ देशवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भागवंत मान ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की सफलता पर एक्स पर कहा कि आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश एकजुट है। हमें अपनी भारतीय सेना और अपने बहादुर सैनिकों पर गर्व है। 140 करोड़ देशवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। पंजाब के लोग सैनिकों के साहस और उत्साह के लिए देश की सेना के साथ खड़े हैं।

भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना पर हमें गर्व: सौरभ

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर कहा कि पूरे भारत के 140 करोड़ भारतीयों को आज भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना पर बहुत गर्व है। मेरा मानना है कि यह सही समय है, जब पाकिस्तान में चल रही आतंक की फैक्ट्री को खत्म किया जाए। पीओके में आतंकवादियों को ट्रेनिंग दी जाती है और कट्टरपंथी बनाया जाता है और आतंकवादियों को लॉन्च पैड्स के जरिए भारत में भेजा जाता है।



ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर सेना को बधाई: आतिशी

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि जय हिंद की सेना। ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर भारतीय सेना को बधाई। आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में पूरा देश भारतीय सेना के साथ खड़ा है। वहीं, ‘आप’ के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाएं भारतीय सेना के साथ हैं। हम सब सेना के साहस को सिर झुका कर नमन करते हैं।

दुश्मनों को जवाब देने में भारतीय सेना पूरी तरह से सक्षम: देवेन्द्र

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि भारत की तीनों सेनाएं बहुत मजबूत हैं और जो भी देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने के लिए आतंकवादी गतिविधियों को देश में प्रायोजित करेगा उसका माकूल जवाब देने के लिए भारतीय सेनाएं पूरी तरह से सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमारे 26 निरथे लोगों को निशाना बनाया था। उनकी शहादत का बदला हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत बखूबी ले लिया। हमें अपनी सेना पर गर्व है क्योंकि कर्नल सोफिया कुरेशी और गिंग कमांडर व्योमिका सिंह जैसी जाबजो महिलाएं भी भारतीय सेना में मौजूद हैं। जो इस संकट के समय पुरुष सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की रक्षा के लिए तैयार खड़ी हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी जी ने 22 अप्रैल को ही देश के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता दिखाते कहा था कि हम देश के साथ हैं और देश जो भी जवाबी कार्यवाही करेगा, उसको हमारा पूर्ण समर्थन रहेगा। देवेन्द्र यादव ने कहा कि भारतीय सेनाओं ने समय समय पर देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हुए दुश्मनों की कायराना हरकतों का मुहताड़ जवाब दिया है। हम सेना और उसके प्रत्येक जवान के जज्जे को सलाम करते हैं और हमें पूरा विश्वास है कि यदि भविष्य में कभी कोई आतंकवादी देश की तरफ आंख उठाकर देखने की कोशिश भी करेगा तो उसका इसी प्रकार पटलवार जवाब दिया जाएगा।



भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जम्मू-कश्मीर में हुई बेगुनाहों की हत्या का बदला लिया है। भारत सरकार द्वारा की गई इस कार्रवाई के समर्थन में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के व्यापारी गुरुवार को शुभ 11:30 बजे कुबुख रोड चौक से तिरंगा मार्च निकालेगा। जिसके बाद फेडरेशन द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर...

भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को किया तबाह

भागता फिर रहा आतंकी मसूद अजहर: सिरसा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस एयर स्ट्राइक का नाम दिया गया ‘ऑपरेशन सिंदूर’। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की इस जवाबी कार्रवाई के पल्लवा में आतंकी सरहना करने में मंत्री मर्नजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के सफलतापूर्ण संपन्न होने के बाद आतंकवादी मसूद अजहर जूहे की तरह सुरक्षा पाने के लिए इशर से उधर भाग रहा है। उन्होंने कहा कि

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जम्मू-कश्मीर में हुई बेगुनाहों की हत्या का बदला लिया है। भारत सरकार द्वारा की गई इस कार्रवाई के समर्थन में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के व्यापारी गुरुवार को शुभ 11:30 बजे कुबुख रोड चौक से तिरंगा मार्च निकालेगा। जिसके बाद फेडरेशन द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

देश की सेना और सरकार पर हमें गर्व है। ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवादियों के 9 ठिकानों को नरस्तानाबूद कर दिया। देश के प्रधानमंत्री जो कहते हैं करके दिखाते हैं, अब आतंकवादियों और उनके पीछे खड़े आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। उसी का एक उदाहरण यह है कि वही आतंकी ठिकानों को भी जल्द मिट्टी में मिला दिया जाए।

देश के पीएम नरेंद्र मोदी की सुझ-बुझ का ही असर है कि आज दुनिया के अधिकांश देश भारत के साथ खड़े हैं, देश के भीतर भी सभी राजनीतिक दल एक साथ सेना व सरकार के साथ खड़े हैं। पीएम का अटूट संकल्प और भारतीय सेना की सुझबुझ के कारण ऑपरेशन सिंदूर सफल हुआ। हमें यकीन है कि मोदी जी हैं तो आतंकवाद का खाम्ता निश्चित होगा।

थार लेकिन, हमारी सेना ने धर्म पूछकर नहीं आतंक पूछकर मारा है। पाकिस्तान को अब समझ जाना चाहिए कि अगर वह आतंकी का साथ देते हैं तो खाक में धूरा जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अगर फिर से नापाक हरकत करने की कोशिश की तो उसे करारा जवाब बार-बार मिलेगा। पुरानी सरकारों की तरह हम गलती नहीं करने वाले हैं। यह पीएम मोदी का भारत है, जो घर में घुसकर मारता है। आज देशभर के लोग पीएम मोदी के साथ मजबूती से खड़े हैं क्योंकि, वह आतंकियों को खत्म करने की बात करते हैं। मैं यकीन के साथ कह सकता हूं कि पाकिस्तान ने अगर कोई कदम उठाया तो गुरुद्वारे के लिए बीजा की जरूरत नहीं पड़ेगी, वह भारत का हिस्सा बन चुका होगा।

पीएम मोदी ने आतंकियों को पहले ही चेतावनी दी थी कि घर में घुसकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया

मारेगा। भारतीय सेना ने घर में घुसकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया

है। पाकिस्तान के आतंकियों ने पहलगाम में हमारा धर्म पूछकर मारा



धोनी ने केकेआर की लुटिया डुबोई

कोलकाता, (पंजाब केसरी) : नूर अहमद की फिरकी के जादू के बाद डेवाल्ड ब्रेविस के तूफानी अर्धशतक से चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में बुधवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को बेहद रोमांचक मुकाबले में दो विकेट से हराकर मेजबान टीम की प्ले ऑफ में जगह बनाने की राह बेहद मुश्किल कर दी। इस जीत के साथ सुपरकिंग्स ने लगातार चार हार के क्रम को तोड़ा दिया लेकिन टीम अब भी 12 मैच में छह अंक के साथ अंतिम पायदान पर है।

नाइट राइडर्स की टीम 12 मैच में 11 अंक के साथ छठे स्थान पर है और अधिकतम 15 अंक जुटा सकती है। कप्तान अर्जुन राहुगे (48), आंद्रे रसेल (38) और मनोप पांडे (नाबाद 36) को पारियों से नाइट राइट राइडर्स ने छह विकेट पर 179 रन बनाए जिसके जवाब में सुपरकिंग्स ने 60 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद डेवाल्ड ब्रेविस (52 रन, 25 गेंद, चार छक्के, चार चौके) के अर्धशतक और शिवम दुबे (45 रन, 40 गेंद, तीन छक्के, दो चौके) के साथ उनकी छठे विकेट की 67 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में आठ विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज की। राहुगे ने 33



अपनी पारी के दौरान शॉट लगाते चेन्नई सुपरकिंग्स के ब्रेविस।

गेंद की अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के जड़े जबकि रसेल ने अपनी ताबड़तोड़ पारी के दौरान 21 गेंद का सामना करते हुए तीन छक्के और चार चौके मारे।

नाइट राइडर्स की ओर से वैभव अरोड़ा ने 48 रन देकर तीन जबकि वरुण चक्रवर्ती और हर्षित राणा ने क्रमशः 18 और 43 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। इससे पहले सुपरकिंग्स की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर नूर सबसे सफल गेंदबाज रहे

जिन्होंने 31 रन देकर चार विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपरकिंग्स की शुरुआत खराब रही और टीम ने तीसरे ओवर में 37 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए।

आयुश म्हात्रे (00) ने अरोड़ा की पारी की दूसरी ही गेंद पर हर्षित आणा को कैच थमाया। पदार्पण कर रहे उर्विल पटेल (31, 11 गेंद, चार छक्के, एक चौका) ने अरोड़ा पर छक्के से खाता खोला और फिर अगले ओवर में मोईन अली की

स्कोर बोर्ड			
कोलकाता नाइट राइडर्स		चेन्नई सुपरकिंग्स	
गुरुबाज का. नूटू बो. कंबोज	11	महात्रे का. हर्षित बो. अरोड़ा	00
नारायण स्ट. धोनी बो. नूर	26	डेवोन कॉनवे बो. मोईन	00
रसगो का. कॉनवे बो. जडेजा	48	उर्विल का. वरुण बो. हर्षित	31
सुधेशी का. धोनी बो. नूर	01	अश्विन का. सुधेशी बो. हर्षित	08
मनीष पांडे नाबाद	36	रविंद जडेजा बो. एकवर्ती	19
रसेल का. ब्रेविस बो. नूर	38	ब्रेविस का. रिकू बो. एकवर्ती	52
रिकू सिंह का. महात्रे बो. नूर	09	दुबे का. रिकू बो. अरोड़ा	45
रमनदीप सिंह नाबाद	04	महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	17
कुल : 20 ओवर में	6/179	नूर का. रिकू बो. अरोड़ा	02
विकेट पतन :		अंशुल कंबोज नाबाद	04
1/11, 2/69, 3/71, 4/103, 5/149, 6/167		अतिरिक्त :	05
गेदबाजी :		कुल : 19.4 ओवर में	8/183
खलील 2-0-14-0, कंबोज 3-0-38-1, अश्विन 3-0-19-0, नूर 4-0-31-4, जडेजा 4-0-34-1, परिश्रान 4-0-39-0.		विकेट पतन: 1/0, 2/25, 3/37, 4/56, 5/60, 6/127, 7/170, 8/172	
		गेदबाजी: अरोड़ा 3-0-48-3, मोईन 2-0-23-1, हर्षित 4-0-43-2, एकवर्ती 4-0-18-2, नारायण 4-0-28-0, रसेल 2-4-0-22-0.	

लगातार गेंदों पर दो छक्के और एक चौका मारा। मोईन ने हालांकि सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (00) को बोल्ड कर दिया। सुपरकिंग्स ने रविचंद्रन अश्विन को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। उर्विल ने हर्षित पर भी छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को शॉर्ट थर्ड मैन पर वरुण चक्रवर्ती के हाथों में खेल गए।

रविंद्र जडेजा ने हर्षित की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ पांचवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन अश्विन दिया। सुपरकिंग्स ने रविचंद्रन अश्विन को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा। उर्विल ने हर्षित पर भी छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को शॉर्ट थर्ड मैन पर वरुण चक्रवर्ती के हाथों में खेल गए।

पंजाब किंग्स के खिलाफ दिल्ली के लिये ‘करो या मरो’ का मुकाबला

धर्मशाला, (भाषा): दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिये फॉर्म में चल रही पंजाब किंग्स के खिलाफ बृहस्पतिवार को ‘करो या मरो’ के मुकाबले में हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी।

पिछले पांच मैचों में तीन हारने और एक बेवतीजा रहने के बाद दिल्ली 11 मैचों में 13 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली टीम अपने घरेलू मैदान अरूण जेटली स्टेडियम पर सिर्फ

एक मैच सुपर ओवर में जीत पाई है। पहले चार मैच जीतने वाली दिल्ली की टीम को उम्मीद है कि मैदान बदलने से उसकी तकदीर भी बदलेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बारिश में धुले पिछले मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी ईकाई ने निराश किया। उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज 29 रन के स्कोर पर पवेलियन में थे और आशुतोष वर्मा की पारी के दम पर ही टीम 133 रन बना सकी। पिछले मैच में करुण नायर से पारी की शुरुआत कराने

का दाव भी नहीं चला और वह खाता भी नहीं खोल पाये। दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसी गेंदबाजों की मददगार पिच पर शुरू ही से चौके छक्के लगाने के प्रयास में आउट हो गए। अभिषेक पोवाल उछाई की शुरुआत का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। वहीं अब तक 381 रन बना चुके केएल राहुल लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। अक्षर खुद जल्दी आउट हो गए थे। दिल्ली की बल्लेबाजी में हालांकि अभी भी गहराई है।



गाजा में इजराइली हमलों में 59 लोग मारे गए

वीर अल बलाह, (एपी): गाजा में इजराइली हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 59 लोग मारे गए। अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजराइल हमस के खिलाफ अपने अभियान को तेज करने की तैयारी कर रहा है। अल-अहली अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार रात को एक स्कूल पर हमला किया गया, जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मारे गये लोगों में नौ महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। इस स्कूल में सैकड़ों विस्थापित फलस्तीनी लोगों ने शरण ली हुई है।



अल-अहली अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार गाजा शहर में एक अन्य स्कूल पर तड़के हुए हमले में 16 लोग मारे गए जबकि अन्य क्षेत्रों में किए गए हमलों में कम से कम 16 अन्य लोगों की मौत हो गई। इजराइली सेना ने इन हमलों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

भारत को आत्मरक्षा का पूरा हक

भारत को मिला इजराइल का साथ, बोला- आतंकियों को सबक सिखाना जरूरी

नई दिल्ली/बीजिंग, (एजेंसी) :



पहलगा आतंकी हमले के जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर का इजराइल ने खुलकर समर्थन किया है। भारत की कार्रवाई के समर्थन में इजरायल ने कहा है कि भारत को अपनी आत्मरक्षा का पूरा हक है। भारत में इजराइल के राजदूत रुबेन अजर ने बुधवार सुबह ट्वीट करते हुए लिखा, इजराइल भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि निर्दोषों के खिलाफ जघन्य अपराध करने के बाद उनके पास छिपने की कोई जगह नहीं है। उनको सबक सिखाया जाना जरूरी है।

उम्मीद करता हूं बहुत जल्द सब खत्म हो : ट्रंप

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उम्मीद जताई कि यह "बहुत जल्द" खत्म हो जाएगा। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से ट्रंप ने कहा, हमने

अभी इसके बारे में सुना है। मुझे लगता है कि लोगों को अतीत के कुछ अंशों के आधार पर पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। मैं बस यही उम्मीद करता हूँ कि यह बहुत जल्दी खत्म हो जाए।

यूएई और कतर ने की संयम बरतने की अपील

ऑपरेशन सिंदूर के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने क्षेत्रीय स्थिरता की आवश्यकता पर बल देते हुए भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने और संयम बरतने की अपील की। यूएई के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने स्पष्ट किया कि कूटनीति ही विवादों का स्थायी समाधान है। वहीं, कतर ने एक संतुलित बयान में दोनों देशों

पाकिस्तान के पक्ष में खड़े हुए चीन, तुर्किये

● भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक को बताया दुखद

पाकिस्तान पर भारत के एयर स्ट्राइक ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चीन का जवाब आया है। बुधवार को पाकिस्तान और भारत के बीच बने हालात को लेकर सवाल पूछे जाने पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत की सैन्य कार्रवाई को चीन 'दुखद' मानता है। चीन ने कहा कि वह स्थिति को लेकर चिंतित है। प्रवक्ता ने आगे कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों एक-दूसरे के पड़ोसी हैं और चीन के भी पड़ोसी हैं। चीन हर तरह के आतंकवाद का विरोध करता है, लेकिन वह सभी पक्षों से शांति और स्थिरता बनाए रखने की अपील करता है। चीन ने भारत और पाकिस्तान से कहा है कि वे संयम

बरते, हालात को और बिगाड़ने वाले किसी भी कदम से बचे और शांतिपूर्ण तरीके से मसले को सुलझाएं। वहीं, तुर्किये के राजदूत ने विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात कर पाकिस्तान के साथ एकजुटता दोहराई। तुर्की के राजदूत ने भारत की एयरस्ट्राइक को पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन माना और निर्दोष लोगों की मौत पर शोक जताया। तुर्की ने कहा कि कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के आधार पर हल किया जाना चाहिए। वहीं, तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भी पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मुहम्मद इशाक डार को फोन कर एकजुटता जाहिर की।

से तनाव कम करने को कहा, जबकि कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत कर आतंकवाद के खिलाफ भारत को समर्थन देने की बात कही। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो

गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा, हम भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर चिंतित हैं और दोनों देशों से अधिकतम संयम बरतने की अपील करते हैं। उन्होंने सैन्य कार्रवाइयों से बचने और संवाद को प्राथमिकता देने की बात कही।

भारत के ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर वर्ल्ड मीडिया

‘दो न्यूक्लियर पावर के बीच जंग का खतरा’

वाशिंगटन/लंदन (एजेंसी) : भारत ने पहलगा आतंकी हमले के ठीक 15 दिन बाद पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया है। ये वे ठिकाने थे, जहां से भारत पर आतंकी हमलों की साजिश रची जा रही थी और उन्हें अंजाम दिया जा रहा था। अमेरिका में न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर ब्रिटेन में बीबीसी तक ने भारत की इस स्ट्राइक को प्रमुखता से कवर किया।



अलजजीरा ने भी प्रमुखता से खबर छापी

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी पहली खबर के शीर्षक में कश्मीर में आतंकी हमले के दो हफ्ते बाद पाकिस्तान पर हमले की बात लिखी। इस रिपोर्ट में लिखा गया कि भारत ने पाकिस्तान में नौ ठिकानों पर हमले किए। हालांकि, इसमें कोई भी सैन्य ठिकाना शामिल नहीं है। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि बीते अप्रैल में हुए आतंकवादी हमले में दो दर्जन निहत्थे नागरिकों की हत्या कर दी गई थी। भारत का पाक पर हमला, जंग की आशंका बढ़ी। शीर्षक से पब्लिश की गई खबर में अमेरिका के ही एक अखबार वाशिंगटन पोस्ट ने लिखा, कश्मीरी सेना ने बुधवार को कहा कि उसने पिछले महीने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ हमले शुरू किए हैं, जिससे दोनों

जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई गई थी और डायरेक्शन दिया गया था। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया है। हमला फोकस्ड और नपा-तुला है। पाकिस्तान ने कहा है कि वो सभी वक्त पर जवाब देगा। बीबीसी की रिपोर्ट की हेडलाइन में लिखा गया है कि भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हवाई हमले किए हैं। इस रिपोर्ट में पाकिस्तानी सेना के बयान का भी जिक्र है। इसमें पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि कई लोकेशन पर मिसाइलों से हमले किए गए हैं। पश्चिम एशियाई देश कतर से संचालित मीडिया संस्थान अल-जजीरा ने भी पहलगा आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर प्रमुखता से खबर प्रकाशित की।

रोहित शर्मा ने तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली, (भाषा): रोहित शर्मा ने बुधवार को तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे सबसे लंबे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर सभी अटकलें खत्म हो गईं। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे हिस्से में भारत के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में से एक था। रोहित ने 67 टेस्ट में 12 शतक और 18 अर्धशतक की मदद से 40.57 की औसत से 4301 रन बनाए। पिछले साल विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से पहले ही संन्यास ले चुके रोहित अब भारत के लिए केवल वनडे प्रारूप में ही नजर आएंगे। रोहित ने पीटीआई की खबर ब्रेक करने के बाद अपने इंस्टाग्राम पर अपनी टेस्ट कैप के साथ एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, "सभी को नमस्कार, मैं बस यह साझा करना चाहता हूँ कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूँ। सफेद जर्सी में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही है।" उन्होंने लिखा, "इतने सालों तक मिले प्यार और समर्थन के लिए आपका शुक्रिया। मैं वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा।



● अब भारत के लिए केवल वनडे प्रारूप में ही नजर आएंगे रोहित

''रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की कप्तानी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पिछली श्रृंखला और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला के अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन प्रभावी रहा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारत के पास एक नया टेस्ट कप्तान होगा जिसके संभावित उम्मीदवार जसप्रीत बुमराह, लोकेश राहुल, शुभमन गिल

और ऋषभ पंत हो सकते हैं। रोहित ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान कठिन दौर का सामना किया, जहां उन्हें खराब फॉर्म के कारण अंतिम एकादश से बाहर होने का फैसला करना पड़ा। पर उन्होंने उस समय संन्यास लेने से इनकार कर दिया था। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ उनके मतभेदों की भी काफी अटकलें रही थीं जिन्होंने पिछले साल जुलाई में कार्यभार संभालने के बाद भारतीय क्रिकेट में 'स्टार संस्कृति' खत्म करने की बात की थी। दोनों ने लगातार इस बात का खंडन किया। लेकिन गंभीर ने बार बार स्पष्ट किया है कि केवल प्रदर्शन ही टीम में चयन सुनिश्चित करेगा।

धर्मशाला हवाई अड्डा बंद, क्रिकेटर फंसे

नई दिल्ली/धर्मशाला, (पंजाब केसरी): पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के मिसाइल हमले के बाद धर्मशाला हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद होने के कारण आईपीएल टीमों की यात्रा का कार्यक्रम प्रभावित हुआ है। जिन्हें वहां खेलना है और बीबीसीआई इस अस्थिर स्थिति से निपटने के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। धर्मशाला में बृहस्पतिवार को पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच होना है। इसके बाद 11 मई को पंजाब और मुंबई इंडियंस का मैच वहां खेला जाना है। मुंबई टीम का यात्रा कार्यक्रम भी अभी

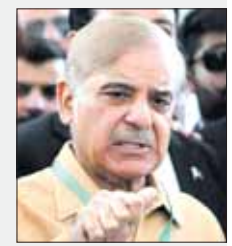
● आईपीएल टीमों की यात्रा प्रभावित

अनिश्चित है। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए शाम के मैच में 'फ्लडलाइट्स' का प्रयोग सुरक्षा मुद्दा है और इसका असर इस बात पर पड़ सकता है कि मैच तय कार्यक्रम के अनुसार होगा या नहीं। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ (एचपीसीए) के एक सूत्र ने बताया कि हमें बीबीसीआई या केंद्र और राज्य सरकारों से कल के मैच को रद्द करने के बारे में कोई लिखित सूचना नहीं मिली है। जब तक कोई

आधिकारिक निर्देश नहीं मिलता, हम कार्यक्रम के अनुसार ही काम करेंगे। रविवार का मुकाबला अभी 'लॉजिस्टिक' चुनौती है क्योंकि एयरपोर्ट के अनिश्चितताकालीन बंद होने के कारण मुंबई इंडियंस यात्रा की स्थिति में नहीं है। पता चला है कि बीबीसीआई मैच को मुंबई में स्थानांतरित करने के विकल्प पर विचार कर रहा है। पंजाब किंग्स एक अधिकारी ने कहा कि हमें अभी तक स्थल परिवर्तन के बारे में नहीं बताया गया है। हम बीबीसीआई के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। धर्मशाला पंजाब किंग्स टीम का दूसरा घरेलू मैदान है।

भारत का हमला युद्ध की कार्रवाई, देंगे करारा जवाब

इस्लामाबाद, (भाषा) : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पंजाब प्रांत और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बुधवार तड़के आतंकी ठिकानों पर भारत की ओर से किए गए मिसाइल हमलों को 'युद्ध की कार्रवाई' करार दिया और कहा कि उनके देश को 'करारा जवाब' देने का पूरा अधिकार है। प्रधानमंत्री ने एक बयान में कहा, 'पाकिस्तान को भारत द्वारा किए गए युद्ध के इस कृत्य का मुहताब जवाब देने का पूरा अधिकार है और वास्तव में इसका करारा जवाब दिया जा रहा है।' शरीफ ने कहा कि उनके सशस्त्र बल 'बहुत अच्छी तरह जानते हैं कि दुश्मन से कैसे निपटना है।' उन्होंने कहा, 'हम दुश्मन को उसके नापाक इरादों में कभी सफल नहीं होने देंगे।' वहीं, उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार ने भारतीय हमलों को पाकिस्तान की संप्रभुता, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का 'घोर उल्लंघन' करार दिया। (भारतीय कार्रवाई) क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाल दिया है।



● भारत के हमले से उजड़े आतंकियों के पीएम ने दी गीदड़ भमकी

आतंकियों के जनाजे में शामिल हुई मुनीर की आर्मी

लाहौर, (भाषा) : पाकिस्तान लगातार झुठ बोलता आया है कि वो आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करता है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों के बीच गहरे गठजोड़ की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल पाकिस्तानी सेना के कर्मी और हाफिज सईद के प्रतिबंधित जमात-उद-दावा (जेयूडी) के सदस्य लाहौर से करीब 40 किलोमीटर दूर मुरीदके में आतंकवादी समूह के मुख्यालय पर भारतीय सैन्य हमले में मारे गए तीन लोगों के जनाजे की नमाज में बुधवार को शामिल हुए।



● ऑपरेशन सिंदूर ने खोली आतंकियों के साथ गहरे गठजोड़ की पोल

● जेयूडी के सदस्य भी शामिल हुए

कयूम ने कहा, "पाकिस्तान पर हमला करने वाले भारत को दिनदहाड़े जवाब मिलेगा।" उसने कहा कि जब

भारतीय हमला हुआ और मस्जिद नष्ट हुई, तब कारी अब्दुल मलिक, खालिद और मुदस्सिर मस्जिद के बाल वाले कमरे में सो रहे थे। माना जाता है कि तीनों जेयूडी के सदस्य थे। उसने कहा कि मलिक, खालिद और मुदस्सिर मस्जिद में नमाज पढ़ाया करते थे और उसकी देखभाल करने थे। जनाजे की नमाज के बाद शवों को दफनाने के लिए ले जाया गया।